Title: Regarding alleged manipulation and misappropriation of the grants released by the Central Government for Drought relief in Rajasthan.

श्री श्रीचन्द कृपलानी (चित्तौड़गढ़) : अध्यक्ष महोद्य, राज्स्थान में पिछले दिनों अकाल की भीाणतम स्थिति बनी हुई है। राज्स्थान के सभी सांसद इस सदन में लगातार राज्स्थान के अकाल की स्थिति को लेकर चिन्तित रहे हैं। जब राज्स्थान के मुख्य मंत्री द्वारा केन्द्र सरकार से सहायता मांगी गई तो केन्द्र सरकार ने अपनी तरफ से राज्स्थान के अकाल और राहत कोा में सहायता देने में कतई कमी नहीं रखी, जिसका पूरा हिसाब-किताब पूरे सदन को पता है।

अध्यक्ष महोद्य, मुझे दुख के साथ कहना पड्ता है कि उन्होंने जितनी सहायता मांगी थी, केन्द्र सरकार द्वारा उससे भी ज्यादा सहायता दी गई। जिस समय नवम्बर में अकाल का कार्यक्रम शुरू हुआ था, उस समय राज्स्थान की सरकार के पास 162 करोड़ रुपया आपदा कोा का पड़ा था, उसके बाद 103 करोड़ रुपए की सहायता प्रधानमंत्री जी की तरफ से दी गई, 20 करोड़ रुपया प्रधानमंत्री कोा से दिया गया। उन विभिन्न योजनाओं के विभिन्न मदों से 1700 करोड़ रुपए राज्स्थान सरकार को दिए गए और अकाल राहत के कार्य राज्स्थान में प्रारम्भ हुए। आज राज्स्थान में यह स्थिति है कि पूरे का पूरा अकाल राहत के कार्यों का राजनीतिकरण कर दिया गया है। वहां जितने भी अकाल राहत के कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं वे कांग्रेस पार्टी के नेताओं की शह पर किए जा रहे हैं।â€¦(व्यवधान) जहां वास्तव में यह स्थिति नहीं है।â€¦(व्यवधान) वहां अकाल राहत कार्य में जिन मजदूरों को लगाया जा रहा है, वहां एक-एक मजदूर से पूछा जा रहा है कि तुमने भारतीय जनता पार्टी को वोट दिया। अगर उसने बीजेपी को वोट दिया हुआ है तो उसे मजदूरी नहीं दी जा रही है।â€¦(व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): Mr. Speaker, Sir, this is too much. The hon. Prime Minister said that let us not bring politics into this...(*Interruptions*). You are trying to bring politics into this.

श्री श्रीचन्द कृपलानी : महोद्य, राज्स्थान के मुख्य मंत्री लगातार एक ही बात कह रहे हैं,â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You cannot discuss all State matters in the House.

श्री श्रीचन्द कृपलानी : वे कह रहे हैं कि केन्द्र सरकार ने पैसा नहीं दिया, वह हमारी मदद नहीं कर रही। मैं प्रधानमंत्री जी से आपके माध्यम से निवेदन करना चाहूंगा कि राज्स्थान की सरकार जिस तरह वहां रहने वाले लाखों-करोड़ों लोगों के साथ अत्याचार कर रही है, वहां लाखों लोग पलायन कर रहे हैं।â€¦(व्यवधान) वहां लाखों जानवर मर चुके हैं।â€¦(व्यवधान) इसलिए मेरा कहना है कि इस स्थिति पर ध्यान दिया जाए।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोद्य : असेम्बली का मेटर यहां डिसकस नहीं होगा।

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: This will not go on record.

*(Interruptions) **